कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602 AISHE Code : C-21647

दुर्ग, दिनांक : 15.09.2025

//प्रेस विज्ञप्ति//

गर्ल्स कॉलेज में छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का सफल आयोजन

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में पुस्तकालय विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का सफल आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य छात्रों को क्षेत्रीय साहित्यिक धरोहर से परिचित कराना तथा उन्हें अपने राज्य की सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत की खोज के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव द्वारा किया तथा उन्होनें अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ी साहित्य और उपन्यासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का साहित्य लोक जीवन, संस्कृति एवं परंपराओं का दर्पण है। यह न केवल आमजन की भावनाओं को अभिव्यक्त करता है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ करता है। प्राचार्य ने कुल 17 महत्वपूर्ण और उपयोगी पुस्तकों को महाविद्यालय ग्रंथालय में डोनेट किए हैं ।

इस अवसर पर क्रार्यक्रम के संयोजक डॉ. मंजुलता साव ने छत्तीसगढ़ी साहित्य की विशिष्टताओं पर विचार रखते हुए छात्रों को क्षेत्रीय कृतियों से गहराई से जुड़ने हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. रेशमा लाकेश एवं ज्योति भरणे ने भी अपने विचार साझा किए और छत्तीसगढ़ी उपन्यासों, लोकगीतों तथा सांस्कृतिक लेखन की प्रासंगिकता पर चर्चा की। प्रदर्शनी में विविध साहित्यिक कृतियों का संकलन प्रस्तुत किया गया, जिनमें विश्वसनीय छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ मुहावराकोश, छत्तीसगढ़ दर्शन, पंडित सुंदरलाल शर्मा की जीवनी, छत्तीसगढ़ का सामाजिक–आर्थिक इतिहास, छत्तीसगढ़ी गीत, आदिवासी लोक साहित्य सहित अनेक मूल्यवान पुस्तकें शामिल थीं। इन पुस्तकों ने राज्य के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास की झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन कु. अपराजिता शर्मा, अतिथि ग्रन्थपाल तथा आभार प्रदर्शन डॉ. खेमराज चंद्राकर, अतिथि व्याख्याता द्वारा किया गया। दोनों ने विद्यार्थियों को ई–पीजी पाठशाला, एनडीएलआई तथा ई–ज्ञानकोश जैसे डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों से परिचित कराते हुए इनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। यह प्रदर्शनी छात्रों के लिए प्रेरक और उपयोगी सिद्ध हुई। सभी प्रतिभागियों ने इसकी सराहना की तथा यह आयोजन महाविद्यालय की शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में अंकित हुआ। इस अवसर पर 300 से अधिक छात्राओं ने पुस्तक प्रदर्शनी कार्यक्रम में शामिल होकर लाभ उठाए।

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

GPS Map Camera
Titurdiha, Chhattisgarh, India
Durg, 57qw+3vh, 5 Banglows, Titurdiha, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.188176° Long 81.297287°
11/09/2025 11:37 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Titurdiha, Chhattisgarh, India
Durg, 57qw+3vh, 5 Banglows, Titurdiha, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.188146° Long 81.297299°
11/09/2025 11:52 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Titurdiha, Chhattisgarh, India
Durg, 57qw+3vh, 5 Banglows, Titurdiha, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.18814° Long 81.297308°
11/09/2025 11:42 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Titurdiha, Chhattisgarh, India
Durg, 57qw+3vh, 5 Banglows, Titurdiha, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.188175° Long 81.297291°
11/09/2025 11:38 AM GMT +05:30
Google